भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3384

उत्तर देने की तारीख 20.03.2025

जनजातीय संग्रहालयों का विकास

3384. श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रही:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ओडिशा में वर्तमान में कितने जिला स्तरीय जनजातीय संग्रहालय संचालित हो रहे हैं;
(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान इन संग्रहालयों के लिए आवंटित और वितरित निधि का जिलावार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या राज्य सरकार इन संग्रहालयों की स्थापना और प्रबंधन के लिए मंत्रालय के साथ सहयोग कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या सरकार का इन संग्रहालयों में डिजिटलीकरण, परस्पर संवादात्मक प्रदर्शन और आगंतुकों के बेहतर अनुभव के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और यंत्र अधिगम (एमएल) आधारित उपकरणों को एकीकृत करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क) और (ख): जैसा कि ओडिशा राज्य सरकार द्वारा सूचित किया गया है, वर्तमान में ओडिशा में कोई जिला स्तरीय जनजातीय संग्रहालय संचालित नहीं है, इसलिए कोई धनराशि आवंटित या वितरित नहीं की गई है। हालाँकि, ओडिशा राज्य जनजातीय संग्रहालय के लिए धनराशि का आवंटन निम्नानुसार है:

वर्ष	आवंटित राशि (रुपये में)
2019-20	36725000
2020-21	16500000
2021-22	18150000
2022-23	34965000
2023-24	21961500

(ग) और (घ): ओडिशा राज्य जनजातीय संग्रहालय (ओएसटीएम) जनजातीय कार्य मंत्रालय (एमओटीए) के सहयोग से केंद्र प्रायोजित योजना "जनजातीय अनुसंधान संस्थान को सहायता" के तहत काम कर रहा है। इसके अलावा, ओडिशा राज्य जनजातीय संग्रहालय (ओएसटीएम) ने आगंतुकों के अनुभवों को बढ़ाने के लिए परस्पर संवादात्मक (इंटरैक्टिव) प्रदर्शनों और दृश्य वास्तविकता (वीआर) प्रदर्शन, प्रोजेक्शन मैपिंग, डिजिटल बोर्ड, बोलती कलाकृतियाँ आदि जैसे कदम उठाए हैं।

*****